क्लाजविट्ज

क्लॉजविटज का पूरा नाम कार्ल फिलीप गाटलीव क्लाँजविट्ज था ।उसका जन्म 1780 में प्रशा में हुआ था । 12 वर्ष की आयु में वह प्रशा की सेना में भर्ती हो गया था । तत्काल बाद उसे फ्रांस के विरुद्ध राइन की मुहिम में भाग लेना पड़ा । उसने अपने जीवन काल में विभिन्न युद्ध लड़े । जब वाटर लू के संग्राम में नेपोलियन की पराजय हुई थी तो उस समय वह ब्लूचर की सेना के साथ था ।उसकी मृत्यु 16 नवंबर 1831में हो गई । उस की प्रमुख रचना "आन वार "रही है ।जिसका प्रकाशन उसकी मृत्यु के उपरांत उसकी पत्नी ने कराया ।

क्लाजविट्ज के विचार: युद्ध के संबंध में

क्लाँजविट्ज नेपोलियन का समकालीन था । उस पर नेपोलियन के समय का प्रभाव काफी हद तक था। यदि देखा जाए तो क्लाँजविट्ज जी ने अपनी पुस्तक "आन वार "में नेपोलियन की कार्रवाइयों का सटीक मूल्यांकन ,किया है । उनके अनुसार ,"युद्ध और कुछ नहीं वरन अन्य

Scanned with CamScanner

साधनो द्वारा राज्य की नीति का अनुवर्तन है"। उनके शब्दो में ,"War is nothing else but a continuation of State ।Policy by means "।यहां पर उन्होंने युद्ध को एक साधन के रूप में परिभाषित किया है ,वहीं एक अन्य स्थान पर क्लाँजविट्ज ने "युद्ध को दो राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों में द्वन्द बताया है"।

अपनी पुस्तक आन वार में युद्ध को एक हिंसात्मक कार्य बताते हुए कहते हैं कि "We do not like to hear on generals who are victorious without the spedding of blood " अर्थात मैं उन सेनापतियों के बारे में सुनना भी नहीं पसंद करता जो युद्ध में बिना रक्त बहाये विजयी रहे हैं। उनका मानना था कि युद्ध का मुख्य उद्देश्य शत्रु को शस्त्र विहीन करना उखाड़ फेंकना होना चाहिए यह कहते थे "Warriors and act of violence pushed to its almost bounds "अर्थात युद्ध वह हिंसात्मक क्रिया है जो पराकाष्ठा तक पहुंचाती है।

Scanned with CamScanner

युद्ध के ढांचे को निर्मित करने वाले तत्व

क्लाजविट्ज के विचार से हम युद्ध के संपूर्ण स्वरूप को तब तक नहीं समझ सकते जब तक कि हम युद्ध के विशेष वातावरण का अध्ययन ना करें ,जिसमें की वास्तविक युद्ध लड़ाई जाते हो । यदि उसका हम अध्ययन करते हैं तो युद्ध के ढांचे को निर्मित करने वाले निम्नलिखित तत्व परिलक्षित होते हैं ।क्लाजविट्ज के विचार से वे तत्व इस प्रकार से हैं-

1-खतरा(Danger)- क्लाजविट्ज के अनुसार ।युद्ध खतरों का खेल होता है । खतरों के बिना युद्ध का संपादन नहीं किया जा सकता । वह युद्ध को हिंसात्मक मानते हैं ,इस कारण खतरा जो भय या जीवन से संबंधित है सब के ऊपर मडराता रहता है ।उनके विचार से यह खतरा न केवल जनरल बल्कि उसके अधीन समस्त सैन्य टुकड़ियों की दिमाग पर प्रभाव डालता है और यही नही संग्राम के निर्णय भी से इससे प्रभावित (होते हैं ।

Scanned with CamScanner

2- शारीरिक थकान या श्रम(Physical Exertion)

उनका मानना है कि युद्ध के दौरान सैनिकों को कई बार बिना भोजन किए लगातार मार्च करना पड़ता है । इससे सैनिक थक जाता है बिना भोजन के रहना व युद्ध करना एक प्रकार से उसके मनोबल को प्रभावित करता है । इसलिए क्लाजविट्ज कहता है कि किसी को युद्ध के संबंध में कोई मत व्यक्त करने का तब तक अधिकार नहीं है जब तक वह स्वयं गर्मी व प्यास से निर्जीव होकर मर न रहा हो ।स्वंय युद्ध ना कर रहा हो क्योंकि वास्तविक अनुभव युद्ध स्थल में सैनिक व उनके अफसर को प्राप्त होता है।

3- अनिश्चय अथवा युद्ध का कोहरा(Uncertainty or fog of war)

उनके विचार से युद्ध में सब कुछ अनिश्चित रहता है युद्ध में विजय अक्सर भाग्य के सहारे मिलती है वे कहते हैं कि " He turned to man and man's action in the midst of those uncertain ties which are proper

Scanned with CamScanner

elements of war ." युद्ध की सारी योजनाएं भूमि ,शत्रु ,शत्रु की संभावित कार्यवाही प्राप्त सूचनाओं के आधार पर होती है ।परंतु दुर्भाग्य से अधिकांश सूचनाएं परस्पर एक दूसरे के विरोधी होती हैं जो संदेह पूर्ण होती हैं। जब हम किसी युद्ध के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न कार्यवाइयो और घटनाओं को समझने का प्रयास करते हैं ।तब हम यह देखते हैं कि प्रत्येक वस्तु दिंन के प्रकाश के भांती प्रकट होता है ।परंतु युद्ध करने वाले को एक अनिश्चय की स्थिति में ही युद्ध करना पड़ता है जिसे हम युद्ध का कोहरा भी कहते हैं।

4- युद्ध में घर्षण(Friction of War)

सैनिक शब्दावली में घर्षण उस मशीनी घर्षण से अलग अर्थ रखता है यद्यपि घर्षण वह प्रक्रिया है जिसमे किसी मशीन में परस्पर टकराहट से उत्पन्न होती है ।इसके विपरीत युद्ध में विभिन्न विचारधाराओं के लोग भाग लेते हैं ।सेना असंख्य व्यक्तियों से निर्मित होती है ।सबका काम करने का अलग अलग तरीका होता है। उपरोक्त सारे तत्व मिलकर किसी भी युद्ध के परिणाम को

Scanned with CamScanner

बदल देते हैं ।इसी प्रक्रिया को क्लाजविट्ज ने घर्षण की संज्ञा दी है ।उसके अनुसार योजना बनाते समय सर्वोच्च कमांडर के मन में योजना का जो स्वरूप होता है और सैनिकों द्वारा उस को अंतिम रूप में जिस प्रकार परीणति किया जाता है उन दोनों रूपों में बहुत अंतर आ जाता है,यह घर्षण के कारण होता है क्योंकि प्रत्येक सैनिक के वफादारी समझदारी की मात्रा भिन्न-भिन्न होती है। इसीलिए वे कहते हैं की "Everything is very simple in war but the simplest thing is diffcult".।

5- भाग्य एवं संयोग (Luckand Chance)

क्लाजविट्ज का विचार है कि युद्ध में भाग्यं व संयोग का बहुत ही महत्व है उतना अन्य किसी मानवीय क्रिया के क्षेत्र में इसका महत्व नहीं है । उनके विचार से यह जो संजोग का क्षेत्र है जैसे सही समय पर सहायता ना मिलना, कमांडर का मारा जाना ,किसी द्वारा धोखा दिया जाना ,भी कई ऐसे कारण हैं जो संयोगवश होते हैं लेकिन युद्ध के परिणाम को बदल देते हैं । यह संयोग ही

Scanned with CamScanner

कहा जाएगा कि मौसम में परिवर्तन हो जाए ,सेना अंधेरे में भटक जाए जिन कारणों से जय पराजय में परिवर्तित हो जाए ।यह सब भाग्य व संजोग से होता है इसलिए युद्ध में भाग्य व संयोग के महत्व को नकारा नहीं जा सकता ।

Scanned with CamScanner